पत्र सूचना कार्यालय (रक्षा विंग),
भारत सरकार
****

'हर काम देश के नाम'

नई दिल्ली, पौष 09, 1945
शनिवार, दिसम्बर 30, 2023

शहीद वीरों के परिवारों के साथ-साथ सैनिकों, पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों का कल्याण राष्ट्र की सामूहिक जिम्मेदारी है: रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह

'सरकार हर चुनौती का सामना करने के लिए सशस्त्र बलों को नवीनतम हथियारों से लैस कर रही है। बुरी नजर डालने वाले को मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा।'

यह राष्ट्र की सामूहिक जिम्मेदारी है कि शहीद वीरों , सेवारत और सेवानिवृत्त सैनिकों के साथ-साथ उनके आश्रितों के परिवारों का कल्याण सुनिश्चित हो क्योंकि इनका बेजोड़ बलिदान, प्रतिबद्धता और देशभक्ति सुरक्षित व समृद्ध भारत का आधार हैं। यह बात रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने 30 दिसंबर, 2023 को सूरत, गुजरात में एक गैर सरकारी संगठन द्वारा शहीद नायकों की वीरता व बलिदान का सम्मान करने तथा उनके परिवारों को समर्थन देने के लिए आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही।

इन बहादुरों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए श्री राजनाथ सिंह ने कहा कि मातृभूमि की एकता, अखंडता और संप्रभुता की रक्षा करने वाले सैनिकों का राष्ट्र सदैव ऋणी रहेगा। उन्होंने 'भारत पहले, सुरक्षा पहले' दृष्टिकोण के साथ अपने कर्तव्यों को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए सशस्त्र बलों के कर्मियों की सराहना की और कहा कि लोग राष्ट्र निर्माण में योगदान करने में सक्षम हैं क्योंकि वे जानते हैं कि सीमाएं सुरक्षित

हैं। श्री राजनाथ सिंह ने इन वीरों के परिवारों का यह कहते हुए अभिनंदन किया कि इन परिवारों में पैदा हुए हीरों की चमक पूरे देश को रौशन करती है ।

रक्षा मंत्री ने हीरे बनाने की प्रक्रिया और युवाओं को असाधारण सैनिकों में परिवर्तित करने के बीच समानताएं बताईं। उन्होंने कहा, 'जिस तरह बहुत अधिक तापमान और दबाव कार्बन परमाणुओं को हीरे में बदल देता है, उसी तरह चुनौतीपूर्ण परिस्थितियां, जिनके तहत सैनिक राष्ट्र की सेवा करते हैं, सामान्य युवाओं को हीरे में बदल देते हैं। अपनी चमक के साथ, ये हीरे हमें अंधेरे से बचाते हैं, "उन्होंने कहा।

श्री राजनाथ सिंह ने इस अवसर पर बड़े उद्योगपतियों को व्यक्तिगत लाभों के बजाय राष्ट्र निर्माण को प्राथमिकता देने के लिए प्रोत्साहित किया और इस बात पर जोर दिया कि धन को एक साधन के रूप में देखा जाना चाहिए, न कि अंतिम लक्ष्य के रूप में। उन्होंने गुजरात के ऐतिहासिक महत्व और राष्ट्र की प्रगति में इसकी भूमिका के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा, 'गुजरात कवि नरसिंह मेहता जैसी प्रमुख हस्तियों की जन्मस्थली है, जिन्होंने अपनी भक्ति और साहित्य के माध्यम से समाज को एकजुट किया। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जिनके आदर्शों और सिद्धांतों ने हमारी स्वतंत्रता सुनिश्चित की; भारत के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल जिन्होंने राष्ट्र की एकता और अखंडता को मजबूत किया; और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जिन्होंने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत का कद बढ़ाया है तथा राष्ट्र को समृद्धि व सुरक्षा के पथ पर आगे बढ़ाया है। गुजरात अनगिनत सैनिकों का जन्मस्थान भी है जो अपनी जान जोखिम में डालकर हमारी सीमाओं की सुरक्षा करते हैं।'

रक्षा मंत्री ने कहा कि सरकार सशस्त्र बलों के साथ खड़ी है और राष्ट्र को खतरों से बचाने के लिए सशस्त्र बलों को नवीनतम हथियारों व प्लेटफॉर्म से लैस कर रही है। उन्होंने देश को आश्वासन दिया कि सेना हर चुनौती का सामना करने के लिए तैयार है और जो भी बुरी नजर डालने की कोशिश करेगा सेना उसे मुंहतोड़ जवाब देगी।

एबीबी/एसएस